CHANDRAKANTI RAMAWATI DEVI ARYA MAHILA P.G. COLLEGE
चन्द्रकान्ति रमावती देवी आर्य महिला पी.जी. कालेज
(Accredited by NAAC) दीवान बाजार, गोरखपुर (उत्तर प्रदेश)
Mobile No-+91-9076651662 Mail ID- crdpgcollege.gkp@gmail.com
Address: New Colony, Dewan Bazar Gorakhpur -273001

2019-2020

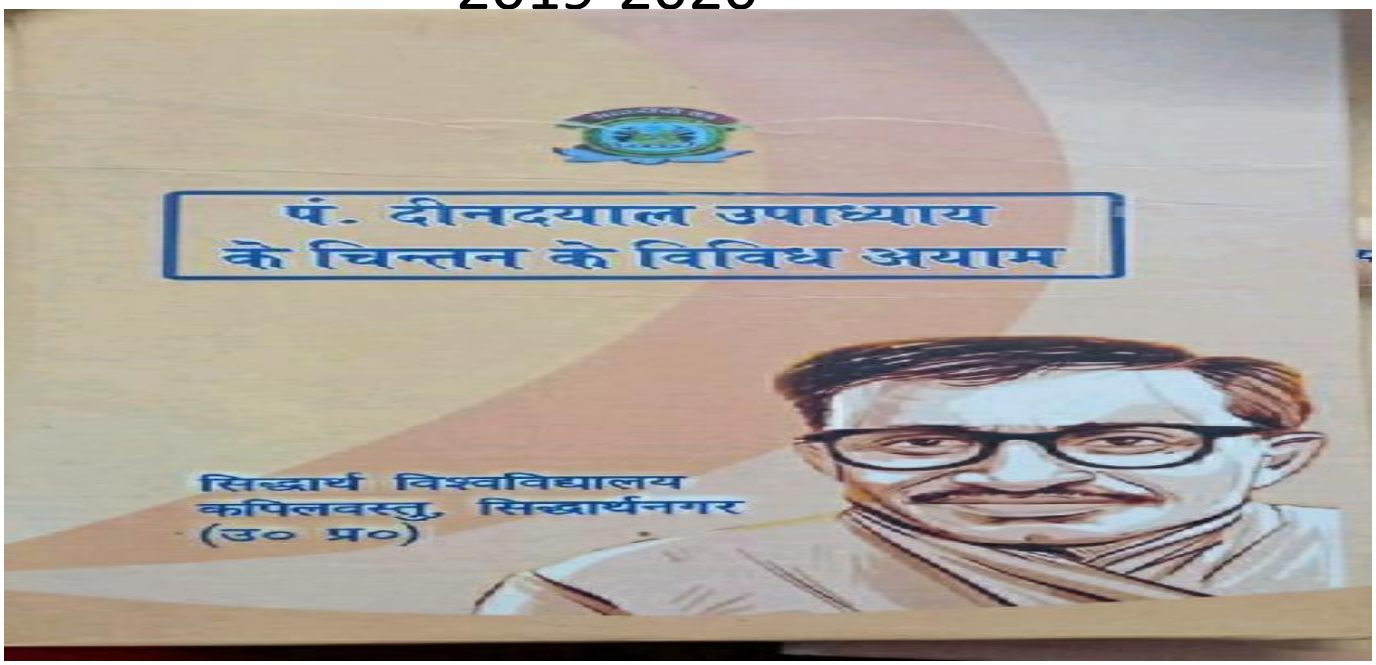

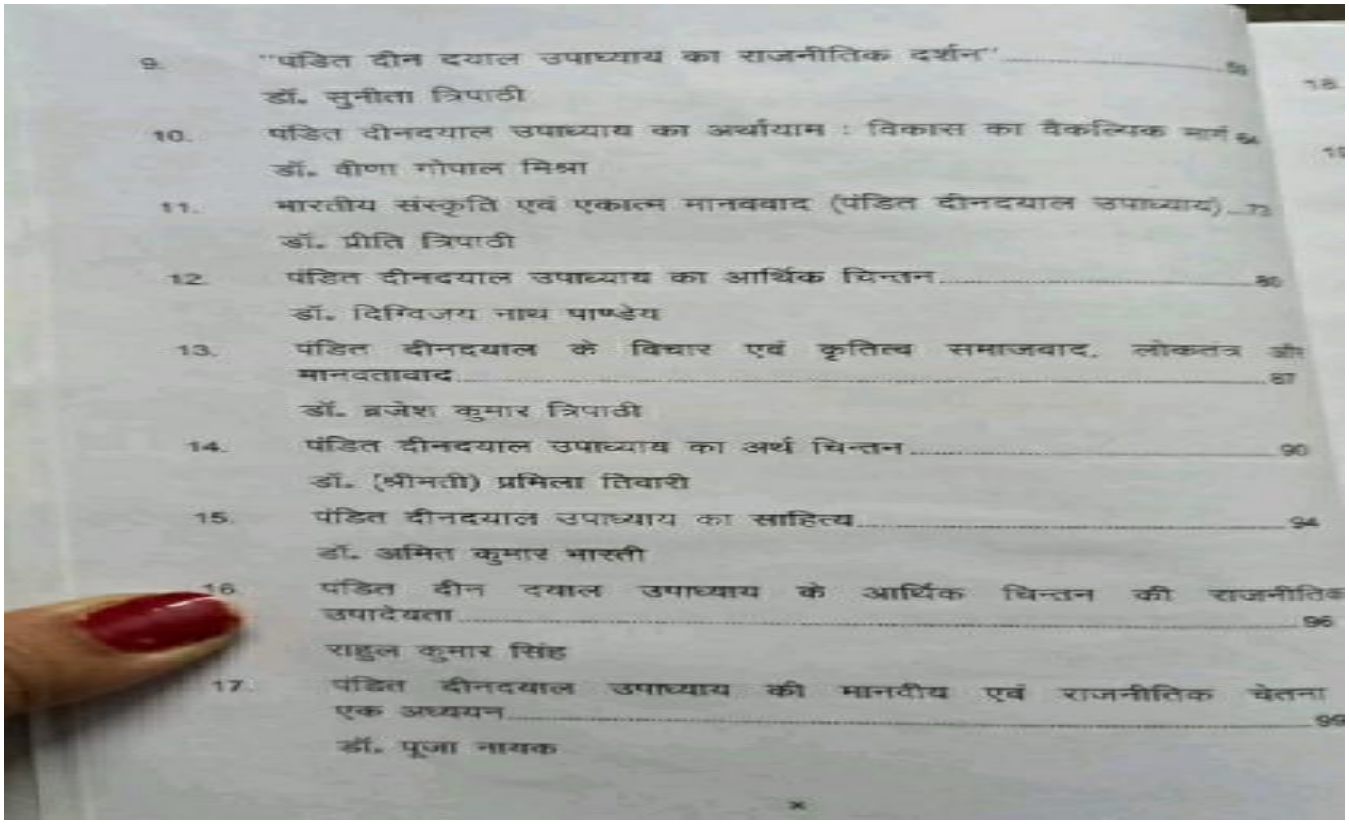

9. "पंडित दीन दयाल उपाध्याय का राजनीतिक दर्शन" 58
डॉ. सुनीता त्रिपाठी
10. पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अर्थायाम : विकास का वैकल्पिक मार्ग 64
डॉ. वीणा गोपाल मिश्रा
11. भारतीय संस्कृति एवं एकात्म मानववाद (पंडित दीनदयाल उपाध्याय) 73
डॉ. प्रीति त्रिपाठी
12. पंडित दीनदयाल उपाध्याय का आर्थिक चिन्तन 80
डॉ. दिग्विजय नाथ पाण्डेय
13. पंडित दीनदयाल के विचार एवं कृतित्व समाजवाद, लोकतंत्र और मानवतावाद 87
डॉ. ब्रजेश कुमार त्रिपाठी
14. पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अर्थ चिन्तन 90
डॉ. (श्रीमती) प्रमिला तिवारी
15. पंडित दीनदयाल उपाध्याय का साहित्य 94
डॉ. अमित कुमार भारती
16. पंडित दीन दयाल उपाध्याय के आर्थिक चिन्तन की राजनीतिक उपादेयता 96
राहुल कुमार सिंह
17. पंडित दीनदयाल उपाध्याय की मानवीय एवं राजनीतिक चेतना एक अध्ययन 99
डॉ. पूजा नायक

प्राचार्या
चन्द्रकान्ति रमावती देवी आर्य महिला
पी० जी० कालेज, गोरखपुर

CHANDRAKANTI RAMAWATI DEVI ARYA MAHILA P.G. COLLEGE
चन्द्रकान्ति रमावती देवी आर्य महिला पी.जी. कालेज
(Accredited by NAAC)
दीवान बाजार, गोरखपुर (उत्तर प्रदेश)
Mobile No-+91-9076651662 Mail ID- crdpgcollege.gkp@gmail.com
Address: New Colony, Dewan Bazar Gorakhpur -273001

प्राचार्या
चन्द्रकान्ति रमावती देवी आर्य महिला
पी० जी० कालेज, गोरखपुर

CHANDRAKANTI RAMAWATI DEVI ARYA MAHILA P.G. COLLEGE
चन्द्रकान्ति रमावती देवी आर्य महिला पी.जी. कालेज
(Accredited by NAAC) दीवान बाजार, गोरखपुर (उत्तर प्रदेश)

Mobile No-+91-9076651662 Mail ID- crdpgcollege.gkp@gmail.com
Address: New Colony, Dewan Bazar Gorakhpur -273001

भारतीय संस्कृति एवं एकात्म मानववाद (पं० दीनदयाल उपाध्याय)

डॉ. प्रीति त्रिपाठी
असि. प्रो., राजनीति विज्ञान विभाग
सी. आर. डी. पी. जी. कॉलेज, गोरखपुर

भारतीय संस्कृति के महान पक्ष पोषक, मनीषी चिन्तक निष्काम कर्मयोगी सामाजिक समरसता के समर्थक समाजशास्त्री अर्थशास्त्री पं० दीनदयाल उपाध्याय एक महान युगद्रष्टा थे आधुनिक भारत के निर्माणकारी स्तंभों में जिन राजनीतिक विचारकों ने अपने ओजपूर्ण चिंतन एवं कृत्यों से भारतीय राजनीति को एक नवीन दिशा सुचिता एवं शुद्धता का प्रतिफल देनें का प्रयास किया है उनमें पं० दीनदयाल उपाध्याय का नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय है भारतीय संस्कृति में उनकी गहन आस्था थी उनका विचार था कि भारतीय संस्कृति के अनुकूल ही स्वतन्त्र भारत का नवनिर्माण होना चाहिए क्योंकि सांस्कृतिक आधारशिला पर ही हमारा आर्थिक सामाजिक और राजनीतिक चिन्तक खड़ा है राजनीति के क्षेत्र में जो दायित्व उन्होंने स्वीकार किया वह राष्ट्र के पुनर्निर्माण के उद्देश्य से ही प्रेरित था जिस निष्ठा की अभिव्यक्ति है एकात्म मानववाद।

पं० दीनदयाल उपाध्याय के राजनीतिक चिंतन में एक ही साथ महर्षि अरविंद एवं लोकमान्य तिलक की प्रखर राष्ट्रवादिता महात्मा गाँधी एव संत विनोबा भावे का अहिंसा एवं नैतिकता पर आधारित राजदर्शन एवं समाजदर्शन तथा लोहिया जी की मौलिकता एवं कल्पनाशीलता एक साथ परिलक्षित होती है।

वस्तुत वे आचार्य मनु शुक्र बृहस्पति एवं चाणक्य की वैचारिक परम्परा के उस श्रृंखला की कड़ी है जिन्होंने अपनी वैचारिक दृष्टि की जड़ें भारतीय चिंतन के अतीत की ओर रखी है परन्तु लक्ष्य भविष्य के लिए उचित आदर्शों के निर्माण का है डॉ० नार्मन डी० पामर ने उचित ही कहा है "दीनदयाल उपाध्याय उस समूह के व्यक्ति थे जिन्हें राजनीतिक चिन्तक कहा जाता है।

उनकी विलक्षण प्रतिभा एवं सादगी के कारण ही समाजवादी नेता नाथ पै ने उन्हें गाँधी तिलक एवं बोस की कड़ी कहा हैं तो साम्यवादी नेता हीरेन मुखर्जी ने

प्राचार्य
चन्द्रकान्ति रमावती देवी आर्य महिला
पी० जी० कालेज, गोरखपुर